an>

Title: Regarding security monitoring along Indo-Nepal Border .

श्री पंकज चौधरी (महाराजगंज): महोदय, हम सबको पता है कि हाल में नेपाल तथा हमारे देश के कई राज्यों में भूकम्प से भारी तबाही हुई थी। नेपाल में हजारों की संख्या में लोगों की मौत हुई और भारत में भी सैंकड़ों की संख्या में लोगों की मौत हुई थी। ऐसी स्थिति में भारतीय सेना, एनडीआरएफ की टीम, वायु सेना के लोगों ने अपनी जान की बाजी लगायी। वहाँ पर भूकम्प के झटके आते रहे, बारिश होती रही, लेकिन उन्होंने वहाँ पर सहायता प्रदान की। साथ में मैं प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने बहुत ही तत्परता के साथ, नेपाल जो हमारा मित्र राÂट्र है, जहाँ हमारा बेटी और रोटी का सम्बन्ध है, जिस प्रकार से उन लोगों ने वहाँ पर मदद करायी, उसके लिए उनको भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ।

भारत-नेपाल सीमा पर मेरा क्षेत्र महाराजगंज है। वहाँ स्वयंसेवी संगठनों ने और मेरे क्षेत्र के तमाम लोगों ने और मैंने स्वयं वहाँ पर राहत और बचाव के कार्य में मदद की। वहां बहुत तत्परता से राहत और बचाव का कार्य हुआ। आज वहां बहुत बड़ी समस्या पुनर्वास की है। बहुत बड़ी संख्या में वहां भवनों का नुकसान हुआ है। करीब दो लाख मकान गिरे हैं। हमारे देश में भी बहुत जगह गिरे हैं।

मैं निवेदन करना चाहता हूं, चूंकि भारत-नेपाल सीमा पर इस समय राहत कार्यों के लिए आवाजाही बहुत बढ़ी है। वहां सुरक्षा की व्यवस्था ठीक ढंग से होनी चाहिए, नहीं तो वहां कुछ असामाजिक तत्व निश्चित तौर से इसका लाभ उठाकर कुछ हरकत भी कर सकते हैं।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Gajendra Singh Shekhawat,

Shri P.P. Chaudhary,

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Kumari Shobha Karandiaje are permitted to associate with the issue raised by Shri Pankaj Chaudhary.